हिन्दी कक्षा 6

पाठ 9 (टिकट अलबम)

प्रश्न1–टिकट अलबम नागराजन के पहले पृष्ठ पर क्या लिखा और क्यों ? इसका असर कक्षा के दूसरे लड़के लड़कियों पर क्या हुआ?

उत्तर–अलबम पर नागराजन के मामा ने यह लिखा ए.एम. नागराजन ''इस अलबम को चुराने वाला बेशर्म है। ऊपर लिखे नाम को कभी देखा है? यह अलबम मेरा है जब तक घास हरी है और कमल लाल सूरज जब तक पूर्व से उदय और पश्चिम में छिपे उस अनंत काल तक के लिए यह अलबम मेरा है, रहेगा। नागराजन के मामा ने अलबम पर यह इसलिए लिखा कि उस क्लास के लड़कों ने इसे अपने अपने अलबम मैं उतार लिया और लड़कियों ने कॉपियों तथा किताबों में टीप लिया।

प्रश्न2–नागराजन की अलबम के हिट हो जाने के बाद राजप्पा के मन की क्या दशा हुई?

उत्तर– नागराजन की अलबम के हिट हो जाने के बाद राजपा को बहुत ठेस लगी वह नागराजन से ईर्ष्या करने लगा। इससे वह उसे नीचा दिखाने का उपाय सोचने लगा।

प्रश्न3–अलबम चुराते समय राजप्पा किस मानसिक स्थिति से गुजर रहा था?

उत्तर–अलबम चुराते समय राजप्पा की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी वह उस समय बहुत घबरा रहा था। उसका दिल तेजी से धड़क रहा था यही नहीं उसका पूरा शरीर चल रहा था ऐसा इसलिए कि वह जानता था कि उसने गलत काम किया है।

प्रश्न4–राजप्पा ने नागराजन का टिकट अलबम अंगीठी में क्यों डाल दिया ?

उत्तर–राजप्पा ने नागराजन का टिकट अलबम अंगीठी में दाल दिया क्योंकि वह जलकर नष्ट हो जाए इससे वह पुलिस की पकड़ में नहीं आना चाहता था इस प्रकार वह चोर नहीं साबित होना चाहता था।

प्रश्न5–लेखक ने राजप्पा की टिकट इकट्ठा करने की तुलना मधुमक्खी से क्यों की ?

उत्तर–लेखक ने राजपा की टिकट इकट्ठा करने की तुलना मधुमक्खी से की है। जिस प्रकार मधमक्खी धीरे–धीरे शहद एकत्रित करके छत्ते में जमा करती है उसी प्रकार राजप्पा जगह–जगह से टिकट लाकर इकट्ठा करता था और उन्हें अपने एल्बम में लगाता था इस प्रकार मधुमक्खी और राजप्पा के काम एक दूसरे से बिल्कुल मिलते जुलते दिखाई देते हैं

प्रश्न6–राजप्पा अलबम की जलाए जान की बात नागराजन को क्यों नहीं कह पाता है? अगर वह कह देता तो क्या कहानी के अंत पर कुछ फर्क पड़ता? कैसे?

उत्तर–राजप्पा एल्बम के जलाए जाने की बात नागराजन को कह देता तो इससे कहानी के अंत पर कुछ फर्क पड़ता। राजप्पा और नागराजन की मित्रता टूट जाती राजप्पा चारों ओर से बदनाम हो जाता। वह बीमार हो जाता और इससे कहानी का अंत दुखद हो जाता।

प्रश्न7–निम्नलिखित शब्दों को कहानी में ढूंढ कर उनका अर्थ समझाओ अब स्वयं सोचकर इनसे वाक्य बनाओ।

खोंसना– अर्थ–छिपाकर रख लेना

वाक्य– लड़के ने किताब कमीज के नीचे खोंस ली।

जमघट– अर्थ–भीड़

वाक्य–मदारी का खेल देखने के लिए बच्चों का जमघट लग गया।

टटोलना– अर्थ–ढूंढना/खोजना

वाक्य–सुजीत ने जेबें टटोलकर देख ली परंतु रुपए ना मिले शायद गिर गए

कुढ़ना– अर्थ–अपने आप पर गुस्सा होना

वाक्य– आजकल लोग दूसरों की खुशी देखकर कुढते है।

ठहाका– अर्थ–जोर की हंसी

वाक्य–फिल्म देखते हुए सभी ठहाके लगा रहे थे।

अगुआ– अर्थ–आगे चलने वाला

वाक्य– गांधीजी आजादी दिलाने वालों के अगुआ थे।

पुचकारना–अर्थ–प्यार से बुलाना

वाक्य–रोते–रोते बच्चों को मां ने पुचकार कर गोद में उठा लिया।

खलना– अर्थ–पीड़ादायक होना

वाक्य–कर्ज वापस करने में खलता है।

हेकड़ी–अर्थ– अकड़

वाक्य–कमजोर को सभी अपनी हेकड़ी दिखाते हैं।

तारीफ–प्रशंसा करना

वाक्य–मेहनती व्यक्ति की तारीफ हर कोई करता है।

लेखक सुंदरा रामस्वामी